बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

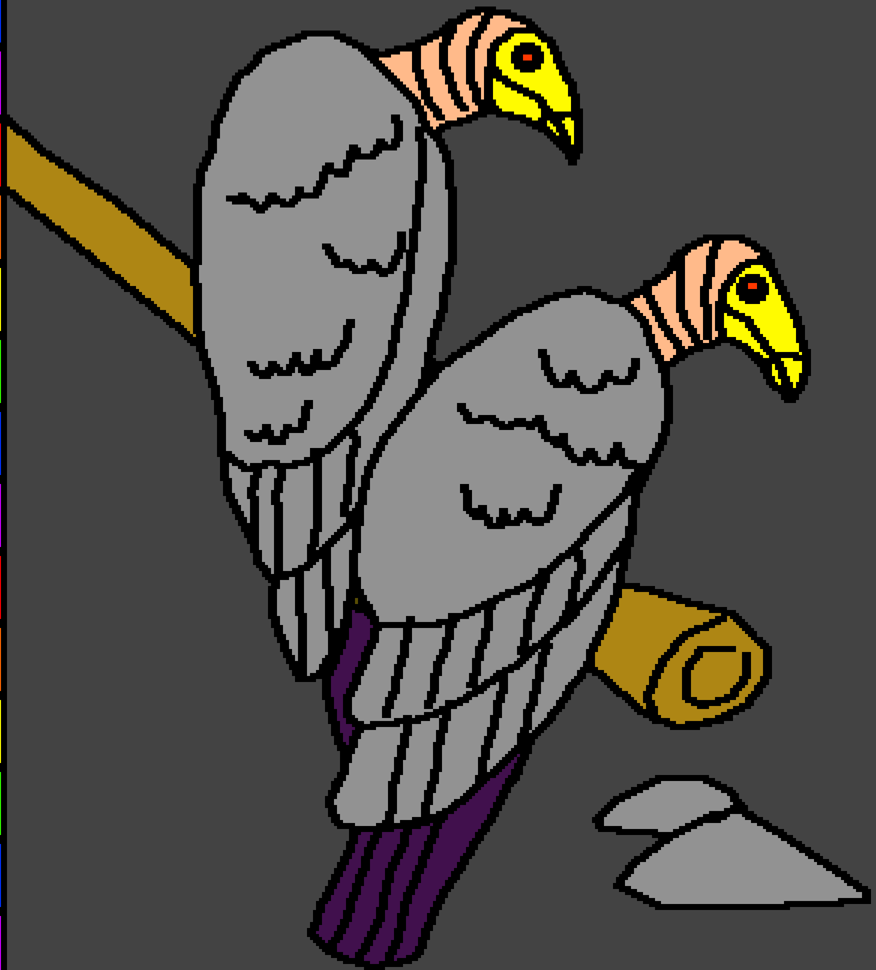

यीशु के लिए एक ख़ौफ़नाक समय

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Byron Unger; Lazarus

रूपान्तरकार: M. Maillot; Sarah S.

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2014 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

जब यीशु बपतिस्मा लिया, परमेश्वर ने बात की। उन्होंने कहा कि यह मेरा प्रिय पुत्र हैउस से, "मैं पूर्ण रीति से प्रसन्न हूँ।" परमेश्वर की पवित्र आत्मा एक कबूतर की नाई यीशु पर उतरा।

उसके तुरंत बाद, परमेश्वर की पवित्र आत्मा एक मरुस्थल जगह पर यीशु को ले गया।यीशु वहां अकेला था।

यीशु चालीस दिन तक उपवास किया।
इसका मतलब है कि वह किसी भी प्रकार
का खाना नहीं खाया। वह बहुत भूखा था।

बाइबल बताती है कि वहां
जंगली जानवर भी थे।

शैतान यीशु की परीक्षा के लिए आया। आदि में वह आदम और हव्वा को अदन की वाटिका में परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए उकसाया था। अब यीशु की परीक्षण की जानी थी।

शैतान परमेश्वर के
पुत्र, यीशु की भी
परीक्षा लेने की
कोशिश की।

शैतान ने कहा यदि "तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो इन चट्टानों को रोटी में बदल दो।" उसे पता था कि यीशु भूखा है। वह यह भी जानता था कि परमेश्वर का बेटा पत्थर को रोटी में बदल सकता है। क्या यीशु शैतान की आज्ञा मानता?

नहीं! यीशु शैतान का आज्ञा पालन नहीं किया। इसके बजाय, वह परमेश्वर के वचन से उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।

फिर शैतान यीशु को जहाँ लोग परमेश्वर की पूजा करते थे,पवित्र मंदिर, यरूशलेम के महान शहर ले गया। शैतान आगे क्या करने वाला था?

शैतान ने कहा, "यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो अपने आप को इस चोटी से नीचे गिरा दो। क्यूंकि उसके वचन के अनुसार उसके स्वर्गदूत तुम्हें बचा लेंगे।"

"नहीं!" यीशु ने उत्तर दिया। "यह भी लिखा है ... कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।"

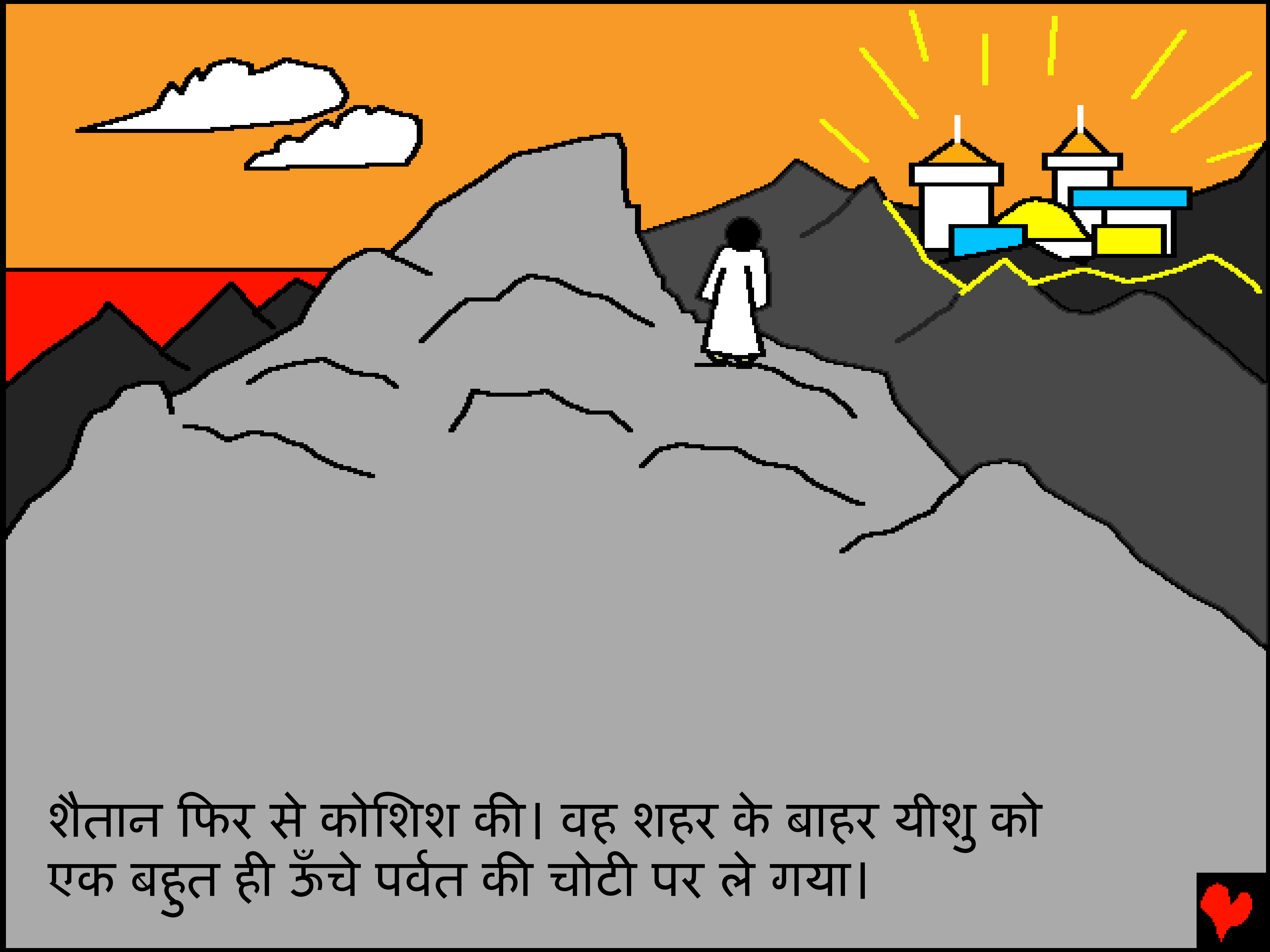

शैतान फिर से कोशिश की। वह शहर के बाहर यीशु को
एक बहुत ही ऊँचे पर्वत की चोटी पर ले गया।

शैतान ने यीशु को सांसारिक राज्य की सभी महिमा को दिखाया, फिर शैतान ने कहा "यदि तुम नीचे झुककर *(गिरकर)* मुझे प्रणाम करे तो मैं तुम्हें यह सब कुछ दे दूंगा।"

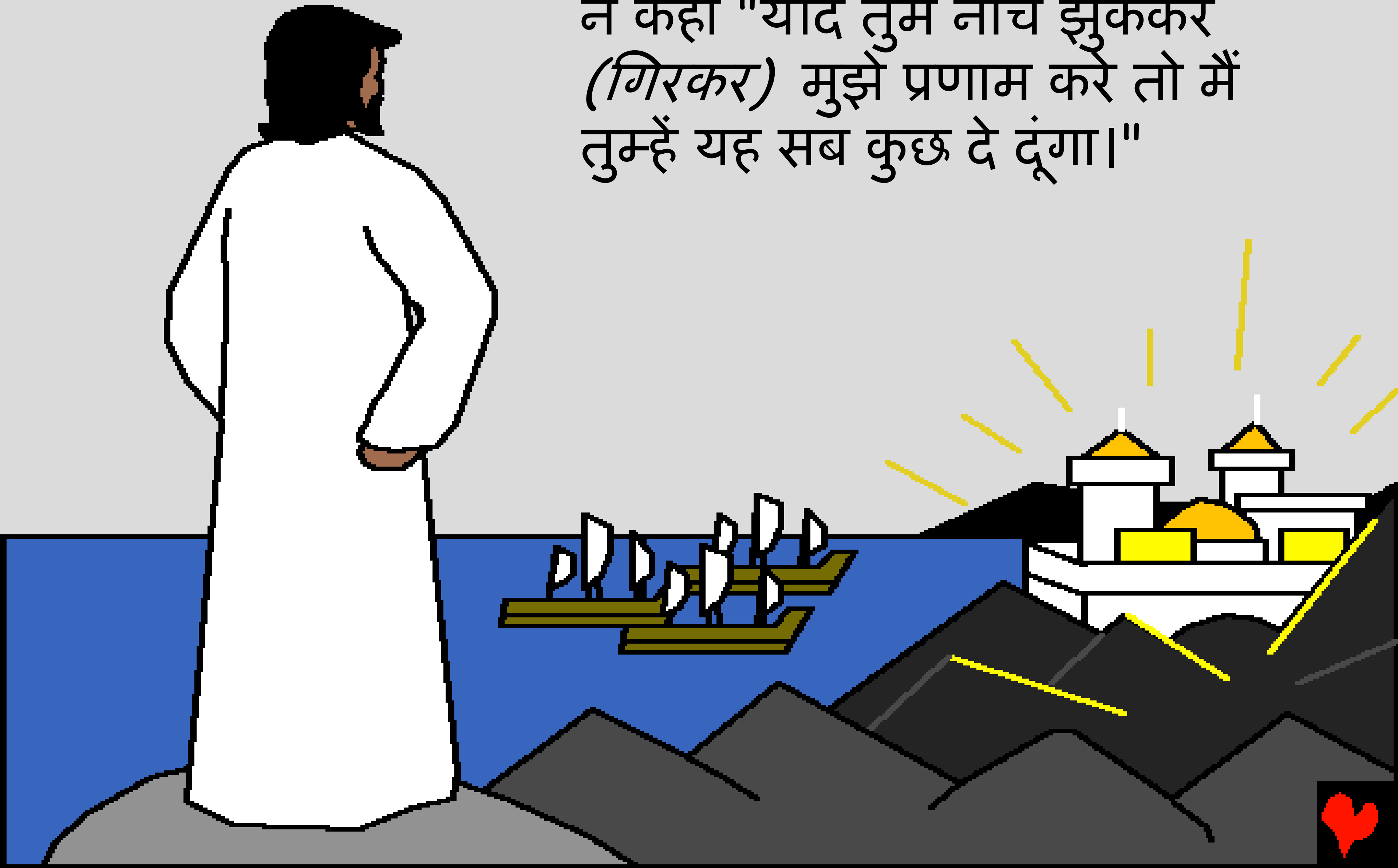

तब यीशु ने उस से कहा; हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना करना।

शैतान थोड़ी देर के लिए यीशु को छोड़ दिया। फिर कुछ अद्भुत हुआ। परमेश्वर उनके पुत्र यीशु के आराम और देखभाल के लिए स्वर्गदूतों को भेजा ऊँचे वह शैतान की बातों का पालन नहीं किया।

यीशु के लिए एक ख़ौफ़नाक समय

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मत्ती 4, लूका 4

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16